43	राजां वनःपुराचितम् ॥ १११२॥	
44	तदेव प्रमद्वन-	
45	ममात्यादेस्तु निष्कुरे।	200
46	वारी पुष्पाद्वाचासी	33
47	नुद्रारामः प्रसीदिका ॥ १११३ ॥	53
48	वृत्तो गाः शिखरी च शािखफलरावद्रिक्रिदुर्द्रमा	33
49	त्रोणीं दुर्विरपो कुठः चितिरुक्ः कार्स्करो विष्टरः।	
50	नन्यावर्तकरालिका तर्वसू पर्णी पुलाक्यंद्रिपः	
51	सालानाककुगच्छपादपनगा द्वागमा पुष्पदः ॥ १११८॥	
52	कुञ्जिनिकुञ्जकुडङ्गाः स्थाने वृत्तैर्वृतानारे ।	
53	पुष्पैस्तु फलवान्वृत्तो वानस्पत्यो	
54	विना तु तैः ॥ १११५ ॥	
55	फलवान्वनस्पतिः स्या-	
56	त्पालाबन्धाः पालेग्रान्ः।	47
57	फलबन्ध्यस्ववकेशी	
58	फलवान्फिलनः फली ॥ १११६ ॥	
59	म्रोषधिः स्यादेषधिश्च फलपाकावसानिका।	TF
	नुपा द्रस्विशिफाशाखः	
	3. 44. Park für den König und seine Frauen 45. 46. G	
ten e	eines Ministers u. s. w. (3 W.). — 47. Gärtchen. — 48—	51.
Baum	(30 W.). —/52. Laube (3 W.). — 53. Ein Baum, der	die
Früchte auf den Blumen ansetzt 54. 55. Ein Baum, der ohne		
zu blühen Früchte trägt. — 56. 57. Fruchttragender Baum. —		
57. Unfruchtbarer Baum. — 58. Fruchtbaum (3 W.). — 59. Eine		
Pflanze, die nach dem Reifwerden der Frucht abstirbt (2 W.)		
60. Staude, ein Baum mit kurzen Wurzeln und Aesten.		